No. of Printed Pages : 6

BPY–010

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2024

BPY-010 : EPISTEMOLOGY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : Answer all **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to Q. No. 1 and Q. No. 2 should be in about **400** words each.

1. Write an essay on Indian philosophical theories of inference. 20

   Or

   Discuss in detail Descartes' and Locke's theory of knowledge. 20

2. Define the correspondence theory of truth. Explain the basic assumptions of this theory. 20

   Or

   What is foundationalism ? What is/are the main assumption(s) and significance of foundationalism ? 20

P.T.O.

3. Answer any two of the following questions in about 200 words each :

   (a) Briefly explain ordinary and extraordinary perception. 10

   (b) Discuss Hume's arguments for "association of ideas". 10

   (c) How does Kierkegard criticize the 'objectivity of knowledge' ? Discuss. 10

   (d) Differentiate between Pragmatic and Neo-pragmatic theories of truth. 10

4. Answer any four of the following questions in about 150 words each :

   (a) Write short note on Methodological continuity. 5

   (b) Briefly explain the characteristic features of Feminist Epistemology. 5

   (c) Write a note on the logical structure of a sentence according to Nyaya Philosophy. 5

   (d) Briefly discuss 'inductive method'. 5

   (e) What is constructivist's approach to perception ? 5

   (f) Write a short note on sphota theory. 5

5. Write short notes on any five of the following in about 100 words each :

(a) Knowledge as social praxis. 4

(b) Vyapti. 4

(c) Skepticism of Hume 4

(d) Synthetic a Priori Knowledge. 4

(e) Cartesian doubt 4

(f) Contextual continuity 4

(g) Determinate Perception 4

(h) Derrida's critique of the subject. 4

BPY-010

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (बीडीपी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : *100*

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।

1. अनुमान सम्बन्धी भारतीय दार्शनिक सिद्धान्तों पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

देकार्त और लॉक के ज्ञान-सिद्धान्तों की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

2. सत्य के संवादिता सिद्धान्त को परिभाषित कीजिए। इस सिद्धान्त की मूलभूत पूर्वामान्यताओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

आधारवाद क्या है? आधारवाद की मुख्य पूर्वामान्यता और महत्व क्या है? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए :

(अ) लौकिक और अलौकिक प्रत्यक्ष की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

(ब) "विचारों के साहचर्य" के लिए ह्यूम की युक्तियों की चर्चा कीजिए। 10

(स) किर्केगार्द ज्ञान की वस्तुनिष्ठता की आलोचना कैसे करता है? चर्चा कीजिए। 10

(घ) सत्य के प्रयोजनवादी और नव-प्रयोजनवादी सिद्धान्तों के मध्य अन्तर कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए।

(क) पद्धतिपरक सातत्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

(ख) नारीवादी ज्ञानमीमांसा की चारित्रिक विशेषताओं की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(ग) न्याय दर्शन के अनुसार वाक्य की तार्किक संरचना पर टिप्पणी लिखिए। 5

(घ) "आगमन पद्धति" की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(ङ) प्रत्यक्ष सम्बन्धी संरचनात्मक दृष्टिकोण क्या है? 5

(च) स्फोट सिद्धान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(क) सामाजिक अभ्यास/आदत के रूप में ज्ञान 4

(ख) व्याप्ति 4

(ग) ह्यूम का संशयवाद 4

(घ) संश्लेषणात्मक प्राग्नुभाविक ज्ञान 4

(ङ) कार्तीय संदेह (देकार्त का संदेहवाद) 4

(च) परिस्थितिजन्य/संदर्भगत सातत्य 4

(छ) सविकल्पक प्रत्यक्ष 4

(ज) देरिदा द्वारा विषयी की आलोचना 4

***